GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0422**

Classification:

Original File No. 8

Title

Koronjo Ilaka

Volume:

Running **from year: 1928** **till year: 1930**

Content:

- Report of Lomboy's Commission on 7-4-1930- Padri Nathaniel Bage.
- Letter from P.Hurad to the Superintendent of Excise on 26 March 1930.
- Letter from Yakub Topno to P. Hurad on 14-2-1930.
- Letter from Nathaniel Topno Secretary Koronjo Ilaka to the Secretary Lutheran Church on 11 Nov.1929.

137

STAR of INDIA FILE

MADE IN GERMANY

1928-30

Koronjo Haka

File No. 8

Street

Town Koronjo Haka

Name or Subject

Previous File No.

लोम्बोर के कमीशन का रिपोर्ट

जो पाद्री बाबु नथानियेल बाग्गे के ऊपर मूर्तिपूजा के संबंध में नालिश था ॥

वर्च कौंसिल के साम्हने लोम्बोर पेरिश के ~~क~~ कितने दरखास्त पेश हुए थे और यह भी कौंसिल को समाचार दिया गया था कि वहां के पाद्री को वहां के लोगों ने सेवकाई काम करने से रोक दिया है इत्यादि। कौंसिल ने इस कारण एक कमीशन ठहराई जो वहां लोम्बोर खुद जाके सब बातों का तदारुक करे और कौंसिल को अपनी रिपोर्ट देवे।

कौंसिल अपनी फरवरी की बैठकी खतम कर तुरन्त १० फरवरी को यहां से निकली। ११ फरवरी को करेया होते हुए लोम्बोर पहुँची और इसी उसी दिन संध्या को अपना काम शुरु किई। लोगों के एकठे होने में कुछ देर हुई सो ८ बजे रात से साढ़े १२ बजे तक एक बैठकी हुई जिसमें कितनों लोगों के इजहार लिये गये। फिर १२ फरवरी को भी बिहान को बैठकी हुई और कितनों का इजहार लिया गया।

पंचैत के लिये कमीशन के अंगों को छोड़ उपस्थित थे :—

१ पाद्री बाबु नथानियेल बाग्गे। २ प्रचारक, २ मास्टर, ३० भाई लोग जो गुटवहार, डाड़कापानी और ममामागीना से आये हुए थे। २ बहिने भी थीं॥ दरखास्त सहीकरनेहारों का नाम पुकारने से ४ जनों को छोड़कर जो उपस्थित थे सो तो न पेरिश के न प्रचारकपन पंच के मेम्बर थे।

कमीशन के लिये उदास की बात यह थी कि जौभी कोरोंजो इलाका चेयरमैन को लिखा गया था कि कौंसिल को कमीशन आता है तौभी न तो चेयरमैन आये हीं न इलाके पंच के कोई अन्य मेम्बर हाजिर आये थे। अफसोस कि इलाका चेयरमैन अपने इलाके के काम के लिये भी नहीं आ सके।

कमीशन ने जिन लोगों की इजहार लिई है सो नथी कर दिये जाते हैं।

कमीशन ने जो जांच किया है उसका संक्षिप्त वर्णन ऐसा है अर्थात

१८२५ में जब लोम्बोर का पुराना प्राचीन नाहुम अपने भाई पतरस और मत्तियस से जुदा होकर बाटा बाखरा किये। उसी समय में नाहुम ने पाद्री की स्त्री को कहा था कि तुम्हारे चलाने से हमारे भाइ लोग अलग होते हैं सो इसी थोड़ी बात के कारण नाहुम और पाद्री की पत्नी से झगड़ा हुई। इसका फल यह हुआ ~~कि~~ बोला जाता है कि पाद्रीयाईन ~~पतरस~~ मत्तियस ~~मत्तियस~~ को उसकायी कि नाहुम को उन लोग नाश करके मार देवें। इस काम के लिये उसने मत्तियस को और एक चेला को बैगों को खोजवाया। जिनको पतरस ने २२) दिया कि नाहुम की मूर्ति बनाके उसको मारने के लिये पूजा करें। २ बैगों ने डोमटोली के एक ~~बैगोले~~ साना में पूजा किई। जब उस टोली के लोगों ने बैगों को अपने साना में पूजा करते हुए देखा तो उनको पकड़ा और जरीबाना किया। गांव के बाहर लोगों ने पकड़ा। सो ~~सो~~ दोनों भाइयों ने छुटने को १००) गछा। उसी समय में छुटने के लिये पाद्रीआईन से भी ३०) पैंचा बतौर लिया गया था। इसी ३०) में १४) और मिलाकर अर्थात ४४) देकर काम तय किया गया। उन बैगों को बात बाबुआईन जानती थी और एक चोक छोकड़े से बातचीत कर पूजा का नाश का उपाय ठीक किया गया था। सो जब ये बातें हुईं तो मत्तियस ने सब बातें अपने ससुर याकूब तोपोनो को जो रेंगड़बेड़ा में रहता है बताया। यह बात १८२६ जनवरी में बताई गई। याकूब तोपोनो

जो बहुत पुराना प्रचारक था, और अब बूढ़ा और रोगी होके पड़ा रहता है अपने दमाद को कहा तुमने अच्छा काम नहीं किया यह खिस्तान धर्म के विपरीत है सो उसने कहा पाड़ो से क्षमा मांगो याकूब तोपोनो ने हमों को बताया कि उसने इसके बारे में नथानियेल पाड़ो को भी कहा परन्तु इसलिये कि इस बात में पाड़ोआईन का संबंध था यह बात चुपचाप कर दिई गई। याकूब ने कमीशन को बताया कि बाबू इस बात को जानता था क्योंकि बाबूआईन ने उसे बताई थी। यह बात १९२५-२६ से लेकर १९२९ तक चुपचाप रखी गई जो भी पाड़ो बाबू इस बात को जानता था। अब १९२९ में जब एक धांगर के संबंध में मत्तियस=पतरस सभों से पाड़ोआईन को झगड़ा हुई तो बाबूआईन के चलाने से मानो पाड़ो बाबू ने नाहुम के भाई के लड़के को बपतिस्मा नहीं देने चाहा जब तक वे बाबूआईन से उस धांगर के विषय में राजी न होवें। फिर अब एक छोटे पंच बुलाके पाड़ो बाबू ने इनको इतने बरसों के पीछे मंडली से बहिष्कृत करने का विचार किया। अन्त में ये लोग जिन्होंने पूजा करवाया था सो पकड़ जाके मंडली सजा में रखे गये। और बालक का स्नान भी रोक दिया गया। पंचों का विचार किसी मिनिट किताब में भी नहीं लिखा हुआ है। जब यों हुआ तो पतरस और मत्तियस अपने भाई नाहुम को इस पूजा का हाल बताया। ये सब भाई अब एक हो गये। नाहुम को मालूम हुआ कि पाड़ोआइन ही के चलाने से मूर्तिपूजा कर उसको मार डालने का बन्दोबस्त हुआ था पर ईश्वर ने उसको बचाया। सो पाड़ो बाबू के ऊपर पंच बैठने लगे जो भी यह कोई नियमित पंच नहीं था। और अन्त में उसको गिर्जा में सेवा करने से भी रोक दिये।

पाड़ो बाबू और पाड़ो बाबू की पत्नी इस मूर्तिपूजा की घटना को १९२८ में बताते हैं और कहते हैं कि इसी साल में पाड़ोआईन पतरस को ३०) पैंचा दिई। पाड़ो बाबू कहते हैं कि किस कारण पैंचा दिया गया था सो पाड़ोआईन मुझको नहीं बताई। यह पैसा २,३ दिन के पीछे ही फिरा दिया गया था। इजहार में सब लोगों ने इस पूजा की घटना को १९२५-२६ बताया है केवल पाड़ो और पाड़ोआईन इन दोनों ही ने १९२८ साल को घटना का समय बयान करते हैं। इसी से ऐसा बूझ पड़ता है कि इन दोनों ने एक राय होकर समय को बदलने चाहा कि पूजा के समय का बयान झूठ निकले।

कमीशन अफसोस करती है कि दोनों पक्ष के लोगों ने पूजा करनेहारे बैद्यों को और चोक छोकड़े को जो सब दूसरे २ दूर गांवों में रहते हैं इजहार नहीं करवा सके। ये ही वे मूल आदमी और स्वतंत्र गवाह हैं जिनके द्वारा दोष का असल प्रमाण मिल जाता। नाहुम के दोनों भाइयों ने अर्थात पतरस और मत्तियस ने भी करार किया कि उन्होंने मूर्तिपूजा करवाई और वे बोलते हैं पाड़ोआईन इसमें सलाह दिई और चोक छोकड़े से बैद्यों के संग बन्दोबस्त करवाई। इस प्रकार से ये दोनों भाई मान लेते हैं और जब सजा उनको मिली है तो उसे कबूल करते हैं पर सभों का कहना है कि पाड़ोआईन जो इस काम में पूरा सलाहदेनेवाली थी सो अभी ओंकर बचेगी।

इजहारों से कमीशन पाड़ोआईन पर सीधा पूरा सबूत नहीं पाया क्योंकि अभी जब नाहुम और उसके दोनों भाई एक ओर हुए हैं तो उन्हीं के बातों पर हम लोग पूरा विश्वास नहीं रख सकते हैं। बैद्यों और चोक को खोजने और उनको इजहार लेने के लिये कमीशन और २,३ दिन नहीं ठहर सकी। जो हो याकूब

रेंगड़बेड़ा जो अभी मानो मरने की दशा में है उसकी बात को हम लोग एक बारगी झूठी नहीं कह सकते हैं। उसकी बातों को सुनने से तो पादरीआईन के ऊपर कुछ सन्देह मन में आ जाता है। सो जौभी पूरा सबूत नहीं है तौभी पादरीआईन के व्यवहार पर कुछ डर और सन्देह उत्पन होता है।

भाई पंचो ने भी विशप साहब ने इस बात में भारी गलती किई कि बिन कौंसिल के अपने निज ~~अधिकार को~~ जवाबदिही से पादरी बाबू को एक दिन गिर्जा करने से रोक दिया। पादरियों को इस प्रकार करने का अधिकार लोगों को अपने हाथ में लेना बड़ी भारी चूक सिर्फ नहीं पर भारी दोष है।

प्रगट रहे कि अभी प्रायः १५, २० बरसों से नथानियेल बाग्गे पादरी बाबू के संग में वहां की मंडली से अनबन है और वह अब तक कभी शांति और कुशल से काम नहीं कर सक रहा है। उसके लिये अच्छा है कि वह किसी दूसरे जगह में रखा जाता। सेक्रेटरी ने ~~अभी~~ लोम्बोए छोड़ते समय में पादरी बाबू को परामर्श प्रैमेट रीति से दिया था कि वह अपनी बदली होने के लिये कौंसिल के पास दरखास्त देवे परन्तु यह इस समय लों नहीं किया गया और अब ऐसा बुझाता है कि वह दरखास्त भी नहीं करेगा।

इसलिये जिसतें मंडली में कुशल-चैन रहे और कि लोग मंडली से दूसरी मंडलियों में न भटकाये जावें यह हम लोगों के विचार में अच्छा दिखाई देता है कि पादरी बाबू नथानियेल बाग्गे वहां लोम्बोए से दूसरे जगह कहीं बदला जावे और इस प्रकार वहां का झगड़ा तय कर दिया जाए॥

J. Topono.
7-4-30

A. John
7.4.30.

M. Preton
6/4.1930

D.O. 1502/30.
F.- 8.

26th March, 30.

To,

The Superintendent of Excise,

District Ranchi,

R A N C H I .

Sir,

It has been brought to our Church Council's notice that a liquor shop has been licensed to be opened at Koronjo within the Simdega Sub-Division. I may mention that Koronjo village is the property of the G.E.L. Mission and we have a mission Station, a M.E. School, for Boys and other Church institutions. If you open a liquor shop, its location in Koronjo is highly objectionable for good many reasons and Its opening will have a very demoralising effect on the people and on the Schools. I don't think a site will also be available for such a shop there.

I am therefore desired by the Church Council to request that you will please cancel the license for Koronjo and greatly oblige. An early reply to this is awaited.

Yours faithfully,

Secretary,

G.E.L. Church, Chotanagpur

and Assam .

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.— Autonomous 1919. Head of Property Department: Rev. A. John. Kinkel, Dist. Ranchi (Behar).]

19.3.30
1455.
14.3.30
#2.8

No. 58

Kinkel
Dated ~~Ranchi,~~ the 14.3.30. 19

To The Secretary
C.C.,
Ranchi.

Priye Bhai,

Main Koronjo ka ek Darkhast ap ke pas bhejta hun, ki jiska bichar C.C.men kiya jawe. Koronjo ke bhai log chahte hain, ki Missan ke gauw men Bhaṭṭi na khola jawe. Aur mera bhi yah bichar hai. Bhaṭṭidar bhi mere pas áya hai aur mujhse jagah mangta hai. Wah bolta hái, ki 1le April se Bhaṭṭi kholne ka hukkum hai. To kya karen? Mera Bichar hai ki C.C. Sarkar ke pas Ujur karen, ki Koronjo men Bhaṭṭi na khola jawen. Kya jane, Sarkar Koronjo ke niwasiyon se ujur Khojegá?

Prem se
Apka

A. John.

Korongo
11-3-30
X

Manyawar Rev. A. John Ko
Jishusahay.

Tarik 4-3-30 ko Korongo Jamindari Sabha baiti thi. Katipay baton ka bichar bhaya. Jin men ek bat yah hai ki, Korongo men Bhatti Khulne ka Sarkar se manjur hua hai, Bhatti ka Thikedar ne 660 Rupaia jamana bhi de chuka hai, kai bar ghar banane ke liye jagah mangne aya tha. So ham logon ne. nah kar ap ko darshaya hain.

Age sabha ka bichar aisa hai ki Rev. A. John ke pas khabbar diya gay ki is bat ko rokne ke liye saheb. Sarkar se likha ~~parh~~ karen

So main ~~sabha~~ ki anumati se arj karte hun, ki Bhati ko rokne ke liye

P.T.O.

Kripay Nigah rakhenge.

Dusri bat yah hai ki is bishay men apka jo bichar hai jo Korongo ki sabha ko phawran janayo- Taki ham log thikedar ko apka bichar janane saken

Asha sa ke sath apke Kamal hast men khat de, chahan hain ki is dharm nashak augun rok ne ki chesta kar hamon ko kritarth karenge.

Korongo Jamindari Sabha.

Secretary

Suleman Mirz

२२- फेब्रुआरी १९३०।

उपस्थित:— १ पाद्री रघानिवेल बाबो।
२, प्रचारक।
३ मास्टर
१० आदमी ——————— गुरुवार, जाड़कामकाज - माना मांगीर —
२ बहिर —

सही कागेटरे ४ जनों को छोड़कर न इलाका न प्रचारक पंच न पेरिश पंच के मेंबर हैं।

——————,,——————

पतरस मुण्डा = मंडली-पंच, में ५ जन थे इनमें — बरजुआईन मतियस को बताई कि अपने बड़े भाई पाहन-को नशा देखो। मतियस और चीक को यह बात बोली गई - १ मतियस २२) चीक खोलाड़ा-के हाथ से बैद्य सब को दिया कि उसको दवा-देवे = ॥ पीछे हम मतियस को बोला-कि बलो २२) मांग लेंगे कहेको हम रुपैया दिया — ॥ बैद्य लोग मूर्तिपूजा किया — मतियस नजदीक था — ॥ डोमटोली - का ~~पाहन~~ स्वामी उनको बोला - कि क्यों हमारे शरना - में पूजा करते हो। हमने उनको बोलते सुना = क्योंकि अभी हम नजदीक आया — था — ॥ सो जो लोग उनको पकड़े थे सो पाहन लोग थे उनसे छुटने को हम दोनों भाई १००) गवाया। हम लोग लिखा पढ़ी किया कि हम लोग मनाना — ता: में पैसे बोला - पर पीछे ४४) दिया — और उस कागज को हम लोग फाड़ दिया - हमारा माना ससुर मसीहदास - रेंगड़ बेड़ा जी - था — हम दो भाई पूजा नहीं किया — पर पुजवाया = उधर पूजा के जगह से लौटके बाबुआईन को मतियस रुपैया मांगा - और बाबुआई ३०) दिया — मेरी स्त्री का रात के समय-में = इसी ३०) में हम लोग १५) मिलाया — ४४) पोरे ~~चुकने~~ देलों = मेरा ससुर प्रचारक याकुब रेंगड़बेड़ा - को सुनाया — रुपैया सब कुछ दे ~~चुकने~~ चुकने पर यह हालत बताया — जनवरी १९२९ में बताया — अभी तक मेरा ससुर जीता है - मेरा ससुर बूढ़ा — नथा — निएल पाद्री बाबू को बताया — । मेरे ससुर का पूछने से यह बात कह कहेगा — । बूढ़ा ससुर पाद्री बाबू से पूछपाछ किया — तो मालूम हुआ कि पाद्री बाबू यह बात जानता — था - उसने कहा कि बाबुआईन ने उनको बताई है ॥ पाद्री बाबू यह बात जानकर इतना बरस छिपा दिया — था और इतना बरस कार्रवाई नहीं किया = अभी कार्रवाई किया है सो छोटी सी बात निकाला सा - है अर्थात - एक गोंड़ - ~~ला~~ लड़का - को मांग रखा — था - उसी के कारण बाबुआईन से झगड़ा हुआ - है इसी-कारण यह मंडली खड़ी भारी हुआ है — ॥ मेरा ससुर यह बात नहीं कहा कि पाद्री पाद्रीआईन ~~ऐसा~~ ऐसा करते हैं यह बात हमों को पंच में लाना — चाहिये ॥ पाद्रीआईन - मेरे पुराने घर में आके मेरी स्त्री का ३०) दिई — है ॥

——————,,——————

मतियस मुण्डा = पाद्रीआईन हमको २२) दिया था पीछे ॥ रुपैया हमको नहीं दिई ॥ हमलोग भाई २ जुदा हुए हम पीछे माना जगीना से यहां का अपना - काम - बनाया — १ चीक हमारे पास आया — और हमने

उसको पूछा कि तुम किधर आया है। चीक ने कहा— हम इधर ही आया
है। हम कपड़ा बोला— उसका बाप लेजाने आया है। फिर तुम्हारे पास
भी एक बात के लिये आया— है कि पाडी पाडी भाईन— और पतरस दोनों
यह सलाह किया है कि राहुल को गेसाबाद से मारने के लिये
सलाह किये है इसमें तुम सच हो कि नहीं —— हमने चीक को बोला
जब तक हम अपने भाई पतरस से न पूछे कुछ नहीं बोलेंगे— तब
हम नानानागीना से २ दिन पीछे आया— तब अपने भाई पतरस को पूछा
वह बोला कि हम लोग ऐसा सलाह नहीं किया है। इधर ही हम २ रोज रहगया—
कि जिस रोज हम नानानगीना लौटता था— उसी रोज पतरस के घर में—
पाडीभाईन बोला— हम लोग दाँदू चीक को तुम्हारे पास भेजा था उस बात
के बारे में तुम क्या बोलते हो। तब हमने पाडीभाई को जवाब दिया कि हम भाई पतरस
से पूछा था— वह बोला हम लोगों ऐसा सलाह नहीं किया है। तब
वह बोला कि हम लोग वैद्यों को बोला चुके हैं। इसवास्ते तुम को आज
उन वैद्यों के पास जाना ही पड़ेगा— तब हमने कहा अच्छा जब भेजते हो
हम जायेंगे। मगर किसके संग जायेंगे क्योंकि हम उनको नहीं देखा है।
तब ऐसा बात करते ही के समय दाँदू चीक भी पहुँच गया— २ वह चीक पीछे हमारे
संग गया— ॥ यह सब बात पतरस के घर में हुआ— घर में कोई घर में
नहीं थे केवल मैं और पाडीभाईन— इसके पीछे हम और चीक बजार
कोनमेरला गये= उस बाजार में वैद्यों से बातचीत हुई। वैद्यों को हमने
पूछा क्या तुम लोग आदमी मार सकते हो। उन लोग बोला हां हम लोग
सकते हैं। हम लोगों को तुम लोग बुलाये हो तो कहे ही के मतलब से
हम लोग आये हैं। जब हमने पूछा कि कौन तुम्हें को बुलाया है
तब वे बोले कि यही चीक हमें को बुलाया है। चीक कुटलुपानी
में है। कुमजेल यहां से। डोमटोली यहां से ३ कोस है। वैद्यों का नाम हम
नहीं जानते हैं। उनका नाम हम को नहीं बताया गया— पर बोला कि
चीक उनको जानता है। अब तक उनका नाम हम नहीं जानते हैं। अब
तक कदाचित वे उसी गांव में है पर हम ठीक नहीं जानते हैं। वहां
जाने से हम उनको बता सकेंगे— ॥ कोनमेरला बजार रोज में ही पूजा
हुआ— कुटलुपानी में पूजा हुआ— ॥ पूजा के समय हम नहीं— था—
पूजा के समय रात थी— चीक और वैद्य लोग साथ थे हम उस
पूजा समय में नहीं था— ॥ हम कैसा पूजा हुआ— इसको नहीं बोल
सकते हैं= वहां पूजा के समय क्या झगड़ा हुआ— हम नहीं
जानते हैं। दो बेर पूजा हुआ= पिछली बेर के पूजा समय हम
था— यह पूजा डोमटोली में हुआ— उस दिन दोनों वैद्य
और हम अपने छोटे भाई पतरस के संग था— उस दिन चीक नहीं
था ॥ रात को पूजा हुई पूजेरी लोगों को पाठन सब पकड़े और
२००) का मुचलका लिया गया= पूजा करना बहुत दूर नहीं है=
२, ३ दिन भीतर रुपैया देने का करार मुचलका लिखा
मुचलका में हम दोनों भाई और दोनों पूजेरी सही किया—
तब दूसरे दिन बापुभाईन को हम रुपैया मांगा— कि तुमने
हमों का फंसाया सो रुपैया— देओ—

तब हम दोनों भाई प्राय: ४०) दाखिल किया — वैद्य लोग बोले कि हम लोग पहिले रुपैया दिया ~~है~~। हम ~~लोग~~ नहीं पूछा वैद्यों को कि कितना रुपैया ~~दे~~ दिये। पाड़ी मार्टिन — पतरस की स्त्री को ३०) दिई। पाड़ी मार्टिन रुपैया पतरस की स्त्री को दिई सो हम को मालूम नहीं — था — और हम कि उसको मांगने के लिये नहीं — आया — । हम दोनों भाई अलग अलग — ~~[illegible]~~ कोननेरला — के नजदीक गये — वहीं पर रुपैया पाहुनों को गिन दिया — रुपैया — मैदान में दिया गया। ~~मैदान~~ गांव में — नहीं — रुपैया — गिनने के समय रैंगड़ बेड़ा — का मसीह दयाल, हम दोनों भाई और दोनों पाहुन और ठीकन जी — था — । एक वैद्य जी उस समय था। ४०) हम लोग दोनों भाई दिये मसीह दयाल गिना — । रुपैया पाके मुचिलका कागज हों को फिर दिया। कागज पाहुन लोग फाड़ दिया ॥ ~~हम नहीं कह सकते हैं कि~~ ३,४ दिन में रुपैया दिया गया — और कागज फाड़ दिया गया →

वैद्यों को पहिले बाकी २२) हम दिया अपने पैसा से हमारा अपना रुपैया — । हम ही ठीकन को २२) देने को दिये। वही उन वैद्यों को दिया — हमको हमारे भाई पतरस ऐसा — ने बोले पाड़ी मार्टिन को [हम] ४) आदमियों को दुःख मालूम देता है ॥ हम तो इसी से क्रोधित था कि हम लोगों का ~~[illegible]~~ जगह जमीन [बचा] था — सो वह वापस करने का — था — इसी से उसको मारने का मतलब था। बाबू मार्टिन ही सलाह किया था — हम लोग आपस में सब कोई सलाह नहीं किये पर सभों का अलग अलग विचार था — ॥ पाड़ी मार्टिन किस कारण से मालूम से क्रोधित है इसका कारण हम नहीं जानते हैं। हम लोगों के जमीन जगह बाहर होने के दिन में पाड़ी और मालूम का झगड़ा — हुआ —

— ॥ —

हमनाम फुलमसीह है। पाड़ी मार्टिन हमको ३०) एक बेर दिई थी रात का समय था। वह बोले कि तुम्हारा मैसर रुपैया मांगा है सो रुपैया लेओ। जब हमने पूछा कि क्या रुपैया है तब पाड़ी मार्टिन बोले तुम्हारा मैसर सब जानते हैं। हम को और कुछ नहीं बोले = हमको हमारा पुरुष नहीं बताया — था कि उन लोग पूजा पाठ किये हैं। ३, ~~४, ५~~ सो रोज तक हुआ है कि पूजा पाठ हुआ है ~~ऐसा~~ हमारा ~~[illegible]~~ पुरुष बताया। पाड़ी मार्टिन बोले तुम्हारा मैं~~सर~~ रुपैया मांगा है। हम ने दूसरे दिन अपने पुरुष को रुपैया क्योंकि उस रात को वह नहीं था = जिस रोज हम रुपैया दिया उसी रोज रुपैया लेके हमारा पुरुष चला गया। रुपैया खोजने हमारा पुरुष गया — था — उसी रोज रुपैया ले गया और [देके] ~~सब~~ [होने लगन] [बरात] को फिर आया =

हम जानती हूं कि मालूम प्राचीन — और पाड़ी मार्टिन झगड़ा किये थे = हम नहीं जानते हैं कितना बार पूजा हुआ = पाड़ी मार्टिन ३०) दिई है पर आगे या पीछे और रुपैया दिई कि नहीं सो हम नहीं जानते हैं।

निकुदेम = कांडुलना — हम लोग पंच बैठे थे। नाहुन इस पंच को बुलाया था — नाहुन इसलिये इस पंच को बुलाया क्योंकि इन लोग (मतियस, पतरस और पाड्रीकाईन) इनको मूरतपूजा से रोकते थे = कहा गया था — हमने भी सही किया = हम और प्रभुसहाय कंडुलना — पाड्रीकाईन को पूछने को लिये आया था। कि क्या आप मूर्तिपूजा के लिये चलाने वाली — थी पाड्रीकाईन बोली हम लोग नहीं चलाये हैं। फिर पूछा गया क्या आप ३०) दिये हैं। हम अपने कान से सुना — पाड्रीकाईन बोली हम रुपैया दिई है॥ पाड्रीकाईन बोली हमको पैंचा मांगे हम रुपैया दिया, मतीयस रुपैया पैंचा मांगा था॥ तब प्रभुसहाय फिर पूछा कि क्यों रुपैया दिया — पैंचा दिई हूं? मैं नहीं पूछी हूं कि क्यों रुपैया पैंचा लिया गया — । पंच में हम दोनों खुद जाके यह बात बताया। बहुत बरस पीछे पतरस को मंडली ~~को~~ बाहर किया — इस से हमों को शक हुआ — कि उस समय में पाड्री और पाड्रीकाईन उससे मिले थे इस कारण इस बात को चुप रखा था॥ सबूत तो नहीं है पर शक के ऊपर हम लोग उनको दोषी ठहराया — और दरखास्त में सही किया

जब हम दोनों पूछने आये थे उस समय प्रचारक और जेरका नाई इसराएल और पाड्री भी था —

जिस साल पूजा हुआ — उस साल हम लोग कुछ नहीं जानते — थे =

— ॥ —

मोहनसहाय मुण्डू — लोहबोर = हम लोग पंच बैठे थे। बहुत लोग जमा थे। हम सही किया — हम लिखने नहीं जानते हैं। हमारे बदले दानियेल डांग सही किया = दरखास्त जो लिखा गया था — सो हमको पढ़ के सुनाया — गया = [यह आदमी बोलता है हम कुछ नहीं जानते हैं गांव की राय से हम ने सही किया है।

———

इमानुएल प्रभुसहाय — कंडुलना — है। हम लोग पंच बैठे — थे। २०, २५ जन थे॥ हम अपना — इजहार पंच में दिया = क्योंकि हम ~~बात~~ प्रचारक — पंच में हाजिर था — । हमने पाड्रीकाईन को पूछा था कि मतियस को रुपैया को दिया कि नहीं और खिलाया कि नहीं — वह बोली कि हम पैंचा दिई थी और रुपैया — खिलाया — गया — मंडली बाहर होने के ३, ४ रोज बाद फिर दूसरा पंच बैठा — । पाड्री और पाड्रीकाईन को बिना पूछे गछे हम लोग दरखास्त लिखा। नाहुन भी पंच में हाजिर था। हम पीछे घर चला गया — और घर में सही किया = ॥ हम प्रचारक पंच में हाजिर था — और मूर्तिपूजा का दोष पतरस पर पाया और उसको छोटी सभा में रखा — सो हम और यह पंच बोला कि उन पाड्री का तरफदारी करते हो — सो गांव की राय से सही दिया

पादरीआईन इस बात में है इस बात का सबूत हमों को नहीं मिला है। निकोदेमुस के संग पहिलीवार पूछा कि क्यों इतने दिन पीछे यह बात निकली — पादरी बोला — हम डरा था पर हम सबूत नहीं पाया था — इसलिये इतने दिन यह बात चुपचाप रहा। ~~उसने~~ पादरी ने कहा — हम याकूब ईगड्बेड़ा से सबूत पाया है॥ चर्च कौंसिल को दरखास्त भेजा पर पादरी और पादरीआईन के ऊपर में कोई सबूत नहीं मिला॥

हम लोग मेंडल मेंडल (प्रचारकपौलो) ने चिट्ठी ~~ले~~ लाया — यह हम लोगों की मूर्खता थी। चिट्ठी में लिखा था कि इस पादरी से हम लोग काम नहीं लेंगे॥ चिट्ठी जो प्रचारकपौलो में भेजा गया — वहां दानियेल की सही है परन्तु वही बोल सकता है कौन लिखा था क्योंकि मैं अपने घर चला गया था॥ नाहुम पादरी को मना किया कि बीते इतवार से पहिले के इतवार में, कि वह गिर्जा न करे॥ पादरी तब गिर्जा करना बन्द किया। प्रचारक गिर्जा किया॥ ~~सब~~ बहुत लोग नाहुम को मना किया कि पादरी को न रोके। हम तो कुछ नहीं बोला परन्तु कोई भी नाहुम के तरफ नहीं थे॥

१२-~~२~~-३०।

पतरस मत्तियस = आज बुलाये गये। वे बोले जो हमों ने कल कहा था सो सब सब बातें ठीक है =

सुलेमान वाग्गो प्रचारक — हम पंचैत में हाजिर था। पतरस और मत्तियस पर मूर्तिपूजा में ~~[illegible]~~ पकड़े जाने का दोष था। दोषी लोगों को बुलाया ~~था~~ — पतरस उस रोज नहीं था उस समय। मत्तियस कहीं जाता था उसको बुलाया पर नहीं आया — उसने कहा हम से बड़े है नाहुम और पतरस उनको नहीं बुलाया। ~~[illegible]~~ पंच में निकुदेमुस ने कहा — कि मत्तियस ने करार किया है कि हम लोगों ने मूर्तिपूजा किया है। पतरस भी करार किया है निकोदेमुस और मंगुरदास इसको सुना है। ऐसी सबूत पर हम लोगों ने विचार किया कि वे छोटी सजा के लायक हैं।

नाहुम ने जो पंच बुलाया है उसमें हमको और योनस मास्टर को बुलाये थे। पर हम लोगों ने जब सुना — कि वे चर्च कौंसिल में दरखास्त भेजे हैं तो हम लोग नहीं गये। पादरीआईन — और उस नाहुम पंच के लोगों से जो बातचीत हुई उसको हम नहीं जानते हैं॥ जैसा निकोदेमुस बीते रात को इजहार किया वैसा हम भी पादरीआईन के विषय कुछ नहीं जानते हैं।

नाहुम-मुण्ड = पंचों ने बोला और हम को बताया- सो हमने सुना है। रुपैया पैसा दिया पाडीआईन इसको जानते हैं और अभी सुनते हैं कि ३०) लिया दिया गया- पाडीआईन बोली थी कि दुनिया में सब कोई अलग अलग जीते खाते हैं हम लोग भी जीते खाते सब लोग क्या नहीं जीते हैं। इसी बात पर पाडीआईन से मैं नाराज था- इसको छोड़. और कोई बात नहीं हुआ-। मेरे बिलका नोहरिया- के साथ में मुझे दोष दिया- व्यभिचार के संबंध में इसलिये मैं नरज हुआ था। इस बात के संबंध में गुस्सा हम लोग निकाला और तब भी दिया- [illegible] मतियस और पतरस इस बात को बोला था कि हमने बाहर हुआ अभी वापस कर लिया यह बात उन लोग झूठ बोला है।

दूसरे तरफ से कोई सबूत नहीं मिला है। नथानिएल भी पंच से सुना- उसी से हम भी सुना। हमरे दोनों भाई को सजा मिला यह ठीक हुआ-। मगर पाडीआईन छूट गई यही हमको अच्छा नहीं लगता है॥

हम सभों को पंच वाले बोलाया था- दरखास्त वापिस लिया- हमारे सलाह से कौंसिल में दरखास्त C.C. में भेजा गया पर हम सही नहीं किया=

हम ने पाडी बाबू को गिरजा आने से रोका-। पाडी को हमने रोका यह बात नाहिल भाग है॥ दरखास्त में हमने सिर्फ पाडी का नाम लिया परन्तु अपने भाइयों का नाम नहीं लिया।

पाड्री नाथानिएल वाखो — हमने पतरस और मतियस को मंडली बाहर किया है। मूर्तिपूजा का दोष सबूत हुआ इसलिये मंडली ने निकाला। मुझे विश्वास है कि उन लोगों ने मूर्तिपूजा किया। हमने पहिले याकूब रेंगड़वेड़ा से सुना। याकूब ने बताया कि मतियस और पतरस डोमटोली में मूर्तिपूजा किया। याकूब ने कहा कि मतियस और पतरस दोनों ने मुझे बताया। याकूब को छोड़, मैं दूसरों से तदारुक नहीं किया-। वह याकूब पहिले प्रचारक था। सुनकर हम साल भर तक चुप रहा। ~~इसलिये कि उसकी बात से~~ याकूब ने मतियस को कहा था कि पाड्री बाबू के पास जाओ और दाना मांगो पर मतियस कभी हमारे पास नहीं आया-॥ दौरा आते जाते हम रेंगड़वेड़ा में डेरा किया और याकूब के साथ बातचीत हुई तब याकूब बोला- कि पाड्रीआईन ३०) पैसा दिई थी॥ [illegible] में बताई कि मैंने पैसा दिया है। घर ही का रुपैया था-। जिस समय रुपैया दिई उसके कुछ दिनों के पीछे बताई। पाड्रीआईन काहे को दिई सो नहीं बताई। २, ३ दिन के पीछे पैसा मिलाया गया॥

पाड्री ने कहा - जब पतरस एक चिट्ठी लिखा- ~~और उसको~~ उन्हें बालक के लिये बपतिस्मा चाहता था। तो वह मेरे पास नहीं आया- तो मैं बहिनाः को उसके घर गया और उसकी स्त्री को पूछा था तो उसकी स्त्री कबूल किई कि ऐसा हुआ- पर वह बोली मैं सलाह नहीं दिई। हमने प्रचारक को हुक्म दिया कि सभों को बुलावे पर सब कोई जमा नहीं हुए थे। सो ८ आदमी आये थे। नाहुम पंच में नहीं है। मतियस नहीं आया=। जब दिन को पीछे के २, ३ बजे, जब मतियस सब नहीं आये तो हम लोग अर्थात दो पंच मतियस के पास गये। प्रभुसहाय ने सुनाया- कि पाड्री ही ऐसा [illegible] है, अर्थात पाडीआईन भी इसमें है।

पंच में यह बात हुई कि मत्तियस और पतरस का दोष सबूत है सो वे छोटी सभा में रखे जावें। बाबू बाबूआइन के बोले यह बोला गया कि ता: ठहराया जावे = तब बोला गया कि अभी हम लोग तारीख नहीं ठहरावेंगे क्योंकि नाइन के यहां पंचैत होता है उनका फैसला सुनके ता: ठहरावेंगे = पीछे मालूम हुआ कि उन लोग Kanjo और चर्च कौंसिल में दरखास्त भेजे हैं इसी से बात ~~~~ रह गई = उनके पंचों से कोई हम लोगों को अर्थात पाड़ी पाड़ीआइन से कोई पूछ पाछ नहीं हुआ = सो यह बात यों ही रह गई॥

—— ॥ ——

याकूब तोपोनो, रेंगड़बेड़ा — हमने सुना है कि पतरस और मत्तियस मूर्तिपूजा किये हैं। मत्तियस और पतरस दोनों स्वयं हमको बतलाये हैं॥ हमने मत्तियस को कहा था कि पाड़ी बाबू से तुम लोग दाना मांगो = १९५६ जनवरी में हमको बतलाया —। मत्तियस बोला कि १९५५ में पूजा हुआ — १९५६ में बताया कि पाड़ी, पाड़ीआइन के बताने से हम लोग पूजा किये। पूजा में हम लोग पकड़ाये उस समय उबार होने के लिये हम को ३०) बाबूआइन दिई। यह बात हमने एक महीना के पीछे बाबू को भी बताया॥ बाबू को हम पूछे तो बाबू बोला कि हम जानते हैं। वह बोला कि बाबूआइन ने मुझे बताई। उबार होने के लिये १९५६ में जनवरी में ~~[illegible]~~ पैसा दिया जब पाड़ी नहीं था — बाबू आई दिई = पूजा पाड़ी और पाड़ीआइन कराया यह बात हमने पाड़ी को नहीं बताया = जब पाड़ी और पाड़ीआइन के संबंध में बाबू को नहीं बताया — तो काहे को ३०) की बात निकली? पाड़ी ने भी मुझे बताया कि बाबूआइन ही मूर्तिपूजा के लिये नहीं पर उबार होने के लिये रुपैया दिया = ॥

१९५६ ~~ही~~ में बाबू से हम ~~[illegible]~~ इस विषय पर बातचीत हुई। मत्तियस के घर में ध्यांगा के झगड़ा के कारण हम लोग राजी नहीं होंगे तो हम बालक को बपतिस्मा नहीं देंगे ऐसा पाड़ी बाबू मुझ को बोला = बपतिस्मा ~~देने~~ नहीं देने के बारे में होके मूर्तिपूजा का ~~झगड़ा~~ झगड़ा फिर निकला — बालक के जन्मने के पहिले ही से झगड़ा हुआ =

—— ॥ ——

पाद्री कार्डन का इकरार —

~~[illegible]~~ मैं 30) पतरस को थली को पैंचा दिया था — दो रोज
के बाद वह लौटा दिया॥ मत्तियस पहिले मांगा— नहीं दिई तब पतरस को स्त्री
को मांगी उस समय। बिना कारण विशेष पूछके क्योंकि औरों को
भी ऐसा दिई हूं = यह सच बात है कि मैं इसका बदले में फिर को
दिई १९२८ के जनवरी महीना में जब बापू समान था— जब बापू
दूर आया— तब बताई बापू देने के समय भी और लौटाने के
समय भी नहीं था— २ रोज के अन्दर ही में पतरस को स्त्री ने रुपैया
लौटा दिई। मेरा उस समय पतरस से कोई कारवार नहीं था—
क्या वास्ते रुपैया मांगते हैं मुझको मालुम नहीं था— मुझे जब
मैं रेंगड़वेड़ा गई थी पतरस भी स्त्री के साथ तब मुझको मुर्गि
पूजा के विषय में मालुम हुआ— मुझको शामिल करने की बात
में भी मुझको मालुम नहीं था =

मालुम— को संग बटवारा— के १० रोज आगे झगड़ा हुआ—
मालुम मुझे बोला कि तुम चलाने हारे हो = बोल छोकड़ा
से भी मैं नहीं कुछ बोला हूं = बैठकों को नहीं देखी हूं॥

(१)

Church Council
Received 20.2.30.
Register No. 1392
Date 14.2.30
File 8
Reply No.
Date

श्रीमान महा मनयवार चर्च कौंसिल सभा की सेक्रेटरी
बाबु पिटर हुरद

वो चर्च कौंसिल के मेम्बारों को मुझ बेचारे दुःखित जन- यकुब तोपनो रेंगड़बेड़ा की ओर से यीशु सहाय प्रेम से पहुंचे ॥

आगे आप लोगों को मालुम होवे। कि मैं १९०३ ई से १९१६ ई. तक प्रगना बीरु मौ. लोम्बोई टोला करसा पानी एक छोटी मंडलीमें दियांकेतनसे आकरके प्रचारक का काम किया लेकिन अब मेरी दुरबलताके कारण काम छोड़ दिया है। पर तौभी मैं हर एक मंडली का हाल चाल पाद्री वो प्रचारको वो मंडली भाईयों से पुछा रहता हुं जब वे मेरे घर आते हैं। क्योंकि मैं अपने बिछौने पर पड़ा रहताहुं, मैं जानता हुं कि जब पाद्री बाबु नथानएल बाबो लोम्बोइ मंडलीमें रहते २ दो तीन बरस बहुत सुन्दर से मंडली के भाईयोंसे बर्ताव किया॥ लौकिक वो आत्मिक सब बात में, लेकिन जबसे ब्याहित बाबुइन - मर गई, उसके बाद आगौ जो बाबुइनहै इस को सादी करने के थोड़े ही बरस तक पाद्री का व्यहार ठीक था, लेकिन अब थोड़े बरसों से मैं देखता हुं वो आदमियों से सुनता हुं वएबर बाबुईन टोला में भाईयों वह बहिनों से बिगड़ती रहतीहै, और अपने बेटे पुती को भी अपने घर से निकाल दीहै और अब तक बरस भर होताहै अपना पुती अपने मां बाप के घर में रहती है, उस का बाबु परवा नहीं करते हैं इससे भी मंडली ठोकर खातीहै और एक मर तावे ऐसा हुआ कि अपने टोला के युनाश भाई के साथ एक छोटी सी बात के कारण बहुत गड़बड़ हुआ यहां तक की मंडली बिगड़ गयाथा इस का खबर तो आप लोगों को मालुम ही है पाद्री बाबु हनुख दचो आये थे उस में महाशय, भाईयों के सामने बोलतेथे कि मैं जरुर ही बदली करुंगा सो फिर चिरग चरो॥ उस समय मैं भाइयों को हमारे घर बुलाके समझाया बुझाया

और भाई लोग बूझ करके पादरी बाबु के साथ मेल हो, ~~रह~~ गये थे।

लेकिन फिर के बाद जो आप लोगों के सामने हुआ सो गोलमाल बात जो सच्चा है कि पादरी ही का बहुत गलती है, मैं ने मूर्ति पूजा की बात, मैं सुन करके, पादरी बाबु को तुरत सुना दिया लेकिन आपने घर से निकला हुआ बात थी, इससे चुप रहा था, लेकिन बाबूइन जब टोला में पतरस मतियास के धंगर से झगड़ा हुई उसी से वे लोग को जब बाबुइन अपने आधीन नहीं कर सकी तो बाबु को इस पर फूल चढ़ाया और पतरस का बालक को बपतिस्मा देने से नकार किया — और बाबु आपने स्त्री की बात को न उठा सकने के कारण से ऐसी गड़बड़ हो रही है॥ सब कोई मूर्ति पूजा की बात को पहिले छिपाये थे यहां तक भी पादरी बाबु तक, नहीं तो मैं १६ २६ ही में पादरी को सुनाया था॥

यह मेरी सच्ची रिपोट है॥ और आगे को मेरे देख ने बाबू क से। आता है, कि लोम्बोई के भाई लोग क्या जाने पूरा दिल से बाबु के साथ रह नहीं सकेंगे, — क्योंकि गड़बड़ की बात एक से दो मरतबे होता है और हाल में यह भी सुनता हूं कि लोम्बोई सरकल के आठ मंडलियां बिलकुल बाबु नथानएल से काम नहीं लेते हैं ये खबर भी मैं बाबु ही से सुन पाया हूं॥

इतना ही मेरी बाते महाशयों को सुनाता हूं।

सो कृपा करके मेरे रिपोर्ट पर भी ताजबीज कर ध्यान कीई जाए

आप लोगों का
कृपाभिलाषी
पकुब तोपनो
रेंगड़बेड़ा

ता० १४-२-३०

File

3.2.30

श्री युत महामान्यवार महा सभा चर्च कौंसिल को हम

1341

31.1.30 दीन-लाचारों की ओर से यीशु सहाय पहुंचे ।।

8.

महाशयगणों को हम निवेदन करते हैं

कि हम लोग जो दस्खत भेजे हैं और मुंह से भी कह दिये हैं सो आसरा हम लोग देखते रहते हैं लेकिन आप लोग प्रतिज्ञा दिये थे कि हम लोग आयेंगे ~~सो~~ - लेकिन आप लोग कहीं कर नहीं आये न पत्री से जवाब दिये, सो हम लोग फिर आर [?] निवेदन करते हैं जरूर आइये, आप-लोग के न आने से हम लोगों के सरकल (तो भाई सरकल) बिलकुल गड़बड़ से भर जाएगा और शायद मंडली भी बिगड़ जाएगा - सो जरूर इस बात पर ध्यान दीजिये

आगे शुभ आप लोगों का आज्ञाधीन

प्रचारक बहुत मुन्डू लोग [illegible]

।। 31-1-30 ।।

क्या आप लोग छोड़ दिये हैं कि सबै [?] से
इसका जवाब जरूर हम लोगों को मिले

To the Church Council
Ranchi

21.1.30.
1303.
16.1.30.
8.

कारोंजो
ता० २६-१-३०

मान्यवर महाशय।

आज कहुपानी पेरिश के गोदाटोली, मौजे घुटबहार के भाई लोग मेरे पास आये और जुल्म करते कि आप हम लोगों को वचनदत्त सादी दीजिये।

ये लोग भी घुटबहार स्कूल के गोलमाल के सम्बन्ध में माष्टरों से मिल कर पादी से बिगड़ गये। उन लोग जब मेरे पास आये तो हाथ नहीं मिलाये पर दूर ही से सलाम बोले इस्से मुझ को मालुम हुआ वे छोटी सजा में रखे गये हैं। बात चीत से मालुम हुआ कि जब लोम्बोई के भाइयों का काम चलाने को अनुमति दी गई तो हमारा काम क्यों नहीं चलाया जायगा ऐसा उन की समझ है। मैं ने उन से कहा ऐसा नहीं हो सकता है। ~~इसलिये~~ जोन साहिब और पिटर हुरद आनेवाले हैं उन के आने से आप लोगों की बात पहिले सफ़ाई होनी चाहिये। इसलिये अर्ज़ है कि यथाशीघ्र आप आकर इन भाइयों की बातों का निपटारा कर दीजिये नहीं तो हो सकता है कि बिना सादी हो दुल्हा दुल्हिन मिलाये जायेंगे।

बराबर देखा जाता है कि लोम्बोई और कहुपानी इलाके के लोग बहुत जिद्दी हैं और कानुन छांटते हैं इसी से उधर बराबर गोलमाल हुआ करता ही रहता है। परमंडली बहुत भारी उधर ही है।

आगे शुभ

Obed Tirin
Koranjo

Church Council
Received 20.1.30.
Register No 1300.
Date 2[illegible].1.30.
File 8
Reply ....
Date ....

कोरोंज्ञो

ता० २३-१-३०

मान्यवर महाशय ।

लोम्बोई पेरिश के कोरंडेगा, बरैबेड़ा आदि आठ प्रचारकपनों और खास लोम्बोई के पंचों से बेरचिट्ठी आती है कि आज कल बचनदत्त और सादी वगैरह काम की बहुत जरूरत व हड़बड़ी है, इसलिये हमारे काम चलाने का बहुत शीघ्र बन्दोबस्त किया जावे ।

इन लोग पा० नथानिएल बागे से बहुत नाराज हैं आप को मालूम है । उन्हों ने पादुरी को लिख दिया है कि "आप से आप हमारे यहां अपना काम करने मत आइये आप से कुछ सम्बन्ध नहीं है" ।

ऐसा गोलमाल लोम्बोई और महुपानी पेरिशों में बारम्बार और बराबर ३ हुआ करता ही रहता है। इलाके से ये नहीं मिटाये जा सकते हैं क्योंकि कोई इलाका पंच की फ़ैसला वो राय सलाह भी मानने नहीं चाहते हैं। इसलिये अर्ज़ है कि :-

१ — चर्च कौंसिल के कई मेम्बरान का कमिशन मोकर्रर हो कर इन गोलमालों का निपटारा कर दिया जाता और भाइयों को समझा दिया जाता तो बहुत अच्छा होता क्योंकि सभों को आसरा चर्च कौंसिल ही पर है किसी दूसरे का बिश्वास नहीं करते हैं।

२ — आज कल उन के बचनदत्त, सादी वगैरह काम चलाने का बहुत ही शीघ्र बन्दोबस्त किया जाय, जब तक यह गोलमाल न मिटाया जाये, नहीं तो हो सकता है कि वे आसरा देखते २ थक जा कर बिना सादी ही कन्या लाने ले जाने लग जायेंगे और यह और ही भयंकर बात हो जायेगी ।

आज्ञाधीन

Obed Tin
Koranjo

File

As they say they have sent a report to the C.C. about the matter I am forwarding it to you.

[signature] Korango
9.1.30

Church Council
Received: 14.1.30
Register No. 1205
Date 9.1.30
File 8.
Reply No..........
Date..........

श्री युक्त महा मन्यवार पाद्री बाबू कोबेद तिड़ आप को मालुम होवे कि नथानएल पाद्री को हम लोग मुर्ती पुजा करने के लिये चलाने हारा वो रुपैआ दे कर के चलाने हारा सबुत किये हैं इसका पुरा कैफियत हम लोग दे सकेंगे ।। इस का हाल चार्च कौंसिल के पास भी लिख भेजे हैं वो हाल में गिर्जा करने से रोके हैं (मंडली सम्बन्धी सब काम) पर हम लोग आप से अरजी करते हैं कि मंडली का काम वस्ते जरूर इन्तजाम किजीये क्योंकि हम लोगों का बहुत जरुरी है ।।

लोम्बोइ मंडली पंचो की ओर से आप का यीशु सहाय होवे ।।

(9-1-30)

पंचों की ओर से
ह: स्व: पतरस मुन्डु
लोम्बोई

साही निकोदीम कन्डुलना लोम्बोई
" प्रभुसहाय " लोम्बोई
" नथानएल डांग "
" रक्षत्त कोतेंग तोपनो लोम्बोई
वगैरह पंच-लोग

File.

Church Council
Received 15.11.29.
Register No 1065.
Date 11.11.29.
File 8.
Reply No............
Date............

No. 113.

From
The Secretary,
Ilaka Panch, Koronjo.

To
The Secretary,
Lutheran Church, Chotanagpur & Assam.

Dated the 11th Nov. 1929.

Dear Sir,

In submitting herewith a ~~copy~~ copy of the minutes of the Ilaka Panch of 9th October 1929 I beg to invite your attention to item No. 3 regarding the Ginikera golmal. The Council is requested to depute a commission for enquiry and settle the matter. Ginikera is only two miles or three from Raipura and so the journey will not be so difficult.

From the accompanying petition you can understand the beginning of the golmal. Now the case that brought forth the golmal is settled; but the golmal itself is hanging on and continually changing its character. yet it can be called the enmity between the Pracharak and the Prachin (not ordained). The Prachin insisted upon the transfer of the Pracharak. The Parish Panch could not do that; therefore it appointed a temporary ~~...~~ pracharak for the Prachin party till the matter is settled

by the Ilaka Panch. Now according to the wish of the Prachin we transferred the Pracharak ~~of~~ from Ginikera to Bansjor and brought the Pracharak of Bansjor to Ginikera. Now the Prachin says that Abraham Ekka the temporary pracharak is his permanent pracharak. If some pracharak from somewhere else is transferred to Ginikera, this Abraham Ekka must be given a place somewhere else.

The Ilaka has fulfilled one wish of Nuas Barwa the Prachin; it cannot fulfil all his wishes. Therefore the Council will be kind enough to depute a commission to explain that the Ilaka has done much for him, or that the Council be pleased to get a place for Abraham Ekka.

Yours faithfully

Nathaniel Toppo

Secretary, Ilaka Panch.

Koronjo

9th October 1929.

Members present were — Rev. O. Tiru Chairman, Rev. N. Bage, Babus Martin Kandulna, Eliyazar Kandulna, Ishak Baba, Shimon Samad, Manmasih Bage, Mansidh Dang, Augustus Kerketta Patras Dang, Patras Baba and N. Topno Secretary.

Visitors — Babu Mansidh Surin, Manihprakash Bage.

बैठकी प्रार्थना साथ आरम्भ हुई।

२. बीते बैठकी का मन्तव्य पढ़ा गया और दृढ़ाया गया।

३. गिनिकेरा — गिनिकेरा और बंशजोर प्रचारकों की बदली का एक विशेष तात्पर्य यह भी था कि गिनिकेरा का गोलमाल शांत हो जाय। पर यह गोलमाल को शांत न कर उसे ~~गिनिकेरा तक~~ बंशजोर तक पहुंचाने चाहती है, इसलिये बीते बैठकी की बदली का हुकुम रद कर दिया जाता है। और आगे यह संकल्प किया जाता है कि गोलमाल की खबर चर्च कौंसिल को दिया जाय और अर्ज किया जाय कि कौंसिल गोलमाल के बारे जांच कर उचित निपटारा कर दे। आगे अब्राहाम एक्का को ग्रान्ट में से कुछ न दिया जाय।

४. Centralization — बीते बैठकी में सेन्ट्रालैजेशन पर जोर ~~दत हुई~~ दिया गया और फण्ड को सेन्ट्रालैज करने का हुकुम फर्माया गया। पर रिपोर्ट मिला कि कई कारणों से सफलता प्राप्त नहीं हुई। कुछ बात बिचार के पीछे यह संकल्प किया गया — कि पहिले पेरिश पेरिश में सेन्ट्रालैजेशन अच्छी रीति से जारी किया जाय। और इसके लिये लोम्बोर्ड पेरिश को अधिक परिश्रम करने की बात दिई गई।

५. Ghutbahar School — घुटबहार के स्कूल पंच

सब-इन्सपेक्टर से राय लिये बिना मास्टरों को हटा दूसरे मास्टर को नियुक्त किये हैं जिससे डर है कि स्कूल का ग्रान्ट बन्द हो सकता है। इसलिये हेड सुपरभैजर की राय अनुसार घुटवहार के पंच को सलाह दिया जाता है कि वे सब-इन्सपेक्टर के पास जाकर अपना दोष को मान कर ग्रान्ट का बन्दोबस्त करा लें। नया मास्टर को पूरा तलब पेरिश से दिया जाता है सो इलाका पंच फैसला के बिरुद्ध है।

5. Banmali – बनमाली मराडली का दरखास्त पेरिश पंच को तदारुक और बिचार निमित्त लौटाया जाय।

6. School examinations – देहात के स्कूल लड़कों का इमतिहान मिशन से नहीं लिया जायगा। मास्टर लोग इसके बारे सब-इन्सपेक्टर से बातचीत करें। चाहे अपने ही परीक्षा लेकर पास लड़कों को सर्टिफिकेट दे देवें। यहां नार्मल होने के लिये आने पर उनका फिर इमतिहान लिया जायगा।

N. Topno.
Secretary
Ilaka Panch
Koronjo.

श्री श्री ६ श्री युक्त महा मान्यवर महोदय इलाका सभा

कोरोंओ के निकट निवेदन

द्वारा मान्यवर पादी बाबू नथानिएल

बागे लोम्बोई

महाशय

हम गिनिकेरा मंडली के प्रचारक तरफ साती के भाइयों का अर्ज निवेदन है कि दिना मुन्डा का बेटा सबन मुन्डा और नुअस उरांव की भतीजीन बेटी मुक्ता बरवा उरांव व्याभिचार में गिर गये उनके बारे कई एक मरतबे बैठकी हुई पर कोई बात की सफाई ही नहीं हुई;

बाद नुअस तरफ से प्रचारक और पांचों पर दोष लगाया गया आखिर में ग्राम सभा की बैठकी हुई और किसी का दोष नहीं पकड़ा गया तब फैसला में आधा खृस्तान नुअस तरफ और आधा प्रचारक तरफ बांट दिया गया और दोनों तरफ प्रचारक भी दिया गया औ दोनों तरफ हथियार मिल गया जिससे दोनों तरफ बल मिला और दोनों तरफ के लोगों को एकही घर में गिर्जा करने का अखतियार दिया गया जिससे आज कल मंडली में भारी गोलमाल बढ़ गया क्योंकि नुहास तरफ के लोग जो कि ग्राम सभा की बैठकी के पहिले नुहास के बरमदे में गिर्जा करते थे आज कल गिर्जा घर में हमों से पहिले घुस कर बहुत देर तक बैठते हैं जिससे हम लोगों को समय नहीं मिलता है। इन सब बातों से और कई एक सिकायती बातों से हम लोग बिलकुल व्याकुलता में डूब गये हैं।। व्याकुल औ अंधे होकर पादी बाबू के पास चिट्ठी लिखा था तो पादी बाबू भी जबाब दिये कि हम भी आपही लोगों के समान अंधे होते जाते हैं। अब तो हम लोग सब कोई नुहास के इस गड़बड़ से बिल कुल अंधे हो गये कोई बात हम लोगों से सफाई हो नहीं हुई और न होगा। इसलिये महोदय इलाका सभा से दीनता पूर्वक अर्ज करते हैं कि इसका तर्क वितर्क कर सफाई कर देने की कृपाय: की जाय। आगे शुभ

ता: १५-९-२६

आप का शुभाभिलाषी –

१ निकोदीम टोप्पो टेंगारबेड़ा

२ अगुस्तुस केरकेटा महोपानो

३ हलीफान बड़ा बरटोली

४ याकूब कुल्लु टेंगारबेड़ा

५ जयमसीह खेस गि: बरटोली

६ दनिएल बड़ा टेंगारबेड़ा

७ यूनाथन बड़ा "

८ सुलेमान लकड़ा "

९ चरनमसीह चरवा तरगा

१० हिजकिएल टोप्पो नामटोली

११ अब्राहम केरकेटा टेंगारबेड़ा

C.

Church Council
Received 31.1.30.
Register No. 1331
Date 30.1.30.
File No. 8
Reply No. ....
Date ....

29

POSTS TELEGRAPHS.

NOTICE

This form must accompany any inquiry made respecting this Telegram.

Charges to pay. Rs.	As.	Office Stamp.
		RANCHI 30 JAN. 30 T

Handed in at (Office of Origin.)	Date	Hour	Minute.	Service Instructions.	Words.
Simdega	30	14	30		44

TO

Recd. here at	H.	M.
	14	50

Reply paid revd Prehn
Lutheran ~~mission~~ ~~Rev~~
Church Ranchi

applied to church council received no reply revd obed
tirn does not allow pukar we unwilling with ~~manmasih~~
manmasihlugun council will please consider on
the matter or we do according to our will
/ prabhusahay topno ghutbahar banmali /

N. B.—The name of the Sender, if telegraphed, is written after the text.

Karim Bux Bros., Printers. Calcutta—529 (B-107)—21-7-28—1,00,000 Bks.

Reply on back

Prabhusahay
Ghutbahar
Simdega

Unfortunately prevented. Reverend Tiru to minister Show this

Murad

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT.

A. R. *Receipt for Inland or Foreign Telegram.*

The cnarges entered upon this form have heen duly paid in respect of the telegram indicated by number.

The sum stated includes extra charges, if any, paid for Reply, Delivery, etc.

Should any reference become necessary, the production of this receipt will enable the telegram to be traced by the office of origin within seven days of the date of its despatch—thereafter *Complaints* respecting Inland telegrams and applications for *Refund* involving complaints against the service should be addressed to the Postmaster-General of the Circle, concerned, and those relating to *Foreign* telegrams should be addressed to the Postmaster-General, Bengal and Assam Circle, Calcutta, within two months in the case of an Inland and five months in the case of a Foreign telegram. Applications for refund *which do not involve complaints against the service* should be addressed to the Officer-in-charge, Telegraph Check Office, Calcutta.

Stamps for the charges on the telegram should be affixed by the Sender to the message form to which this Receipt relates.

Karim Bux Bros., Printers, Calcutta—598 (B-127)—9-8-28—1,00,00,000.

No. 25

Date Stamp.

RANCHI 6 FEB.30

Amount paid.	Rs.	As.	Pies.
Ordinary			
Express			
Foreign			

Reply
Council deputation coming 11th after noon Lombowi Jafoms & wait [illegible]

Chur[ch]
Rece[ived] 6.2.30
Regi[ster] 1352.
Date...
File 8.
Rep...
Date...

8

POSTS TELEGRAPHS.

NOTICE.	Charges to pay.		Office Stamp.
This form must accompany any inquiry made respecting this Telegram.	Rs.	As.	RANCHI 6 FEB.30 T

Handed in at (Office of Origin.)	Date	Hour	Minute.	Service Instructions.	Words.
Simdega	6	8	40		23

TO

Recd. here at 9 H. 22 M.

Reply paid
P Hurad Lutheran Church
Ranchi
Obed refused does Church Council
leave banmali mandli marriage
will take place
Prabhusahay Banmali
Simdega

N. B.—The name of the Sender, if telegraphed, is written after the text.

Karim Bux Bros., Printers Calcutta—529 (B-107)—21-7-28—1,00,000 Bks.

File

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.— Autonomous 1919. Head of Property Department: Rev. A. John. Kinkel, Dist. Ranchi (Behar).]

Church Council
Received 20.1.30.
Register No. 130/.
Date 15.1.30.
File 8.
Reply No.
Date

No. 13

Kinkel
Dated ~~Ranchi~~, the 15.1.30.

Dear Bhai,

Thanks for your letter of the 11th inst. which arrived here yesterday. Since we did not stop at Khutitoli I did not hear there anything about the Lomboy Golmal. You tell me that we both have been appointed to look to it. But what am I to do now? I intend to go to Sarhapani on the 20th January. From there we want to enter Surguja. Rev. Daud-Gumla and Julius Tiga will be here on the 18th, to accompany me. That Programme cannot be possibly changed. On the other hand, I do not propose to change yours. I even fear , this letter will not reach you in time. I think it best, to let our dispositions stand. If I can come in time, I shall be at Koronjo. If not, you must do without me. Schiebe Saheb and I myself are well.

Yours sincerely

A. John.

Anyhow, send please the telegramm.

Mong Jisu Sahay!

File
wi 8 F

London
3.1.30

महामान्यवर छोटानागपुर और आसाम स्थ
गोस्सनर लुथेरान कलीसिया के प्रेसिडेन्ट J. Toponno.
को मुझ सेवक का यीशु सहाय।

आप को कदाचित मालूम है कि आज काल मेरे लोखाडीह पेरिस भीतर नाना प्रकार का गोलमाल और झगड़ा उठा है। पहिला — कि बरैबेड़ा, लोहरडेगा, बासजोर सिलोकिया — लोखाकेरा — बेदोपानी और डोंगा आदिया ये सात प्रचारकपन के आदि लोग — इस बात से नाराज हो कि पाद्रीबाबू बरैबेड़ा का U.P. स्कूल को उठा कर लोखाडीह में U.P. स्कूल खड़ा करता है। आज काल इन मंडलियों के आदि लोग मुझ से पादरी सम्बन्धी काम ग्रहण करने से बन्द किये हैं — मेरे पास चिट्ठी लिखते हैं — कि हम लोगों के यहां अपना काम करने मत आइये।

मैं बरैबेड़ा का U.P. स्कूल उठाने का कोशिश तो नहीं किया न करता हूं — पर बात ऐसी है कि लोखाडीह के आदि लोग लोखाडीह में भी फिर एक U.P. स्कूल खोलने को इच्छा कर इन्सपेक्टर से बात चीत किये — उस समय मैं भी हाजिर था — इन्सपेक्टर उन को बोला था कि अच्छा हम लिखा पढ़ी करेंगे — जिस पर तो बेखबर महिना में इधर उधर गांवों में हल्ला दिया गया — कि U.P. पढ़ने वाले लड़के लाये जावें — यह हाल पाके

वे सात मंडलियों के लोग नराज हो - मुझसे काम
लेना बन्द किये हैं। दिन भर मेहोनाके पेरिस में पञ्चों के
लिये बुलाये गये - पर नहीं आये - अब तक वे पेरिस में भी नहीं आते हैं -
और मंडली खजाना हिसाब भी नहीं देते हैं। केवल
बाकी १, २ मंडली के आदि लोग मुझसे काम लेना
करते हैं।

दूसरा — हाल में २ क्रिस्तान लोगों के बीच में भारी
गोलमाल का झगड़ा उठा है। बात ऐसी हुई कि
मतियस मुण्डू और पतरस मुण्डू ये दोनों भाई छोटे
सजा में रखे गये हैं २६.१२.२६ के रविवार को।
ये मूर्तिपूजा के दोष के कारण रखे गये। इनका
मूर्तिपूजा काम कितने साल का न जाने वो - प्रायः
तीन बरस तक होते २ किसी न किसी प्रकार
इनका धर्मविरुद्ध काम प्रकाश हुआ और अब छोटे
सजा में रखे गये। इसी छोटे सजा में रखे जाने के
कारण अब गांव के दूसरे क्रिस्तान भाइयों को
साथ लेके मिलके मेरे ऊपर भारी झगड़ा करने
लगे हैं और गांव में नाना प्रकार का उत्पात को
गोलमाल मचा रहे हैं - हमने सुना है कि
२६.१२.२६ को एक पञ्चैत बैठके एक कागज
इलाका मध्य में और एक कागज चर्च कौंसिल
के नाम से भेज दिया है। २७.१२.२६ को बात
ऐसी हुई कि वही पतरस मुण्डू अपने एक बालक

का बपतिस्मा मांगा — हम उसको अपने घर बुलाया —
पर नहीं आया तब बपतिस्मा भी नहीं हुआ — इसी से
नाराज होके रद्द-इस्तह को एक पन्थीर जमा करके
मेरे विरुद्ध में दरखास्त लिख पठाया है।
अब फिर एक नया झगड़ा यह भी निकाले हैं - विशेष कर
इन दोयि सालों में रखेलुओं के बड़े भाई नाहुम मुन्डु को
~~पहिले~~ पुराना प्राचीन था — यह दोष लगाके बहुतों को
हों को छोड़के मंडली के प्रायः सब खिस्तान भाइयों को उजाड़ा
है कि बाबू हों के कारण यह मूर्ति पूजा काम किया गया है -
इत्यादि —— कह के भारी झगड़ा करने लगे हैं।
सो आप मालिक हो — कृपा इन शीघ्र मालूम को झगड़े
की बातों को मिटाने का उचित प्रबन्ध करेंगे।

आपका — आधीन सेवक

Rev. Nathanael Bage
Lombai.

Church Council
Received 8.1.30 file
Register No. 1182.
Date 2.1.30.
File 18 8
Reply No.........
Date.........

लोम्बोई
ता: २-१-३०

श्री युक्त महा मन्यवर चर्च कौंसिल रांची

महाशय महाशय को एक लिखित दरखास्त भेज चुका हैं फेर आप को दूसरा दरखास्त हम लोग भेजते हैं सो मालूम कीजिये कि पाद्री बाबू नथानएल-आप को मुर्ति पूजा करने के लिये - चलाने द्वारा को रुपैया दे कर के चलाने द्वारा सबूत किये हैं इस बात में आप भी सन्देह न करेंगे इसका कीमत हम लोग पुरा दे सकेंगे। क्योंकि यह सच्चा बात है इसमें हम लोग पाद्री के ऊपर कारवाई करते हैं मराड़ी मराड़ी चिट्ठी करते हैं और खास लोम्बोई में गिर्जा करने से रोकते हैं।

परन्तु हम लोग आप से यह निवेदन करते हैं कि हम लोगों को मराड़ी काम चलाने वास्ते सभा इन्तजाम कीजिये - और इस बात का जरूर तुरन्त सफाई कीजिये जिससे हम लोगों के लिये अच्छा होवे

आप का शुभ लि: दानियल-डांग-कुरना
लोम्बोई पांचों के ओर से

पांचों की सही

पितर तोपनो लोम्बोई   सही प्रभुसहाय कन्डुलना लोम्बोई

इनास मुण्डु लोम्बोई
सोलोमान - डांगवार - लोम्बोई
नथानिएल डांग लोम्बोई
जयमसिह तोपनो लोम्बोई
याकूब तोपनो लोम्बोई
नकोदिम कन्डुलना लोम्बोई
मरटिन समद

11

ટેમસહી જુદાસ જુમ્મન લોમ્સો ✓

ટેમસહી
દાઉદ તોમનો ,, ✓

ટેમ સહી પતરસ ડાંગા ✓

ટેમ સહી મુસાબા ડાંગા ✓

ટેમ સહી દાઉદ ડાંગા ✓

ટેમ સહી ખેદાન ડાંગા ✓

ટેમસહી દાઉદ તોમનો ✓

સહસ્તો રામ ડાંગા ✓

ટેમ સહી મહમદ સોદ મુકુ p

ટેમસહી દેરન ડાંગા ✓

ટેમસહી દાઉદ સમદ ✓

Memorandum.

LUTHERAN COMPOUND.

From,

The Secretary,
G. E. L. Church,
Chota Nagpur & Assam.
RANCHI.

No. 1207/30.
F. - 8.

Ranchi the 11th January, *19*30

To The Rev. Obed Tiru,
Koronjo.

Manyawar Padri Obed Tiru Ko Yishusahay,

Ap ko malum hai ki Lomboy Parish men bhari golmal hai aur wahan ke log Padri se kuchh sambandh nahin rakhna chahte aur uski sewkai ko grahan nahin karna chahte hain. So ap logon ki sewkai sadi prabhubhoj aur baptisma sadi ityadi kijiye aur dijiye Main aur John sahib is golmal ke tadaruk ke liye thahraye gaye hain parantu main abhi Singhbhum settlement ke liye jata hun aur tab Rajgangpur hote huwe main Koronjo pahunchunga so ap ko main tarikh likh bhejunga ki kab wahan Koronjo pahunchunga jisten bhaiyon ko susamay men khabar diya ja sake.

Premm se,

Ap ka shubhchintak.

[signature]

Office of the Secretary, G.E.L. Church Council Chotanagpur & Assa

Church Council ki bishesh baithki.

Ta: 16 November, 1929.

----------oOo----------

4. KORONJO HOUSE MASTER - Koronjo walon ne ek darkhast bheji thi ki Council unko Rs 300/- grant dewe ki house master ke liye ghar shighar banaya ja sake. Bichar hua ki Koronjo Ilake men rupaiya hai so kahan tak usse kam kiya ja sakega athwa jo ghar abhi wahan hain un men house master ke liye jagah mil sakti hai ki nahin iska tadaruk John sahib karke Council men report dewen .

Sd. J. Topono.
President.

Sd. P. Hurad.
Secretary.

Memo No. 1120 /29.
F.- 8.

Extract copy from the minutes of the Church Council's Extra-ordinary Meeting forwarded to the Rev. Oleed Lin.............. for information.

P. Hurad

Secretary,
G.E.L. Church, Ranchi.

Church Council
Received 18.11.29
Register No. 1071
Date 18.11.29
File 8.
Reply No. ...
Date ...

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

૨- [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

૧- [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

૨- [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

૩- [illegible]
[illegible]
[illegible]

૪- [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

૫- [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

६— [illegible]

७— [illegible]

८— [illegible]

९— [illegible]

१०— [illegible]

ता: १८-११-२६

A. John.

P. D. Kujur

Office of the Secretary, G.E.L. Church, Chota Nagpur & Assam,

Ranchi.

Church Council Executive Meeting

23rd October, 1929.

---------oOo---------

4. Koronjo ki jamin. Trustiyon ke Secretary ko likha gaya tha ki we Koronjo ke raiyaton ke upar men , jo jamin bina hukum banaye hain sallami aur malgujari ke liye karrawai karen. Trusty Secretary ne kitni kathintaon ko dikhaya aur un par bat chit hone se yah sthir hua:

SANKALP : (1) Ki Manyawar Padri A. John aur Daud Kujur jo Koronjo ke nala jamin ke sambandh men wahan jate hain, we hi is bishay ko bhi lewen. Wahan jake logon ko samjha bujhake Salami aur malgujari lewen, kyonki jo log 2 baras se adhik samay se dakhal men hain, unse salaami lena kathin hai. So jo log salaami denge unse salaami leke unko Hukumnama diya jawe.

(2) Ki yadi log sallami dene na chahen to Council ko janaya jawe ki kaun kaun raiyat kitne dinon se jamin banaye hain aur jaminon ki kitni rakba hai aur jamin kis darje ki hai.

Sd. P. Hurad.
Secretary to the Church.

Memo No. 1021/1029/29.
F. - 8.

Dated Ranchi, the 25th October, 1929.

Copy of the Church Council's Resolution forwarded to the Rev. A. John, Kinkel ... for information and compliance.
" Daud Kujur, Gumla.

P. Hurad
Secretary,

G.E.L. Church, Ranchi .

No. 89. Copy Shree Shree John

Koronjo.
6. 9. 29.

महामान्यवर पाद्री साहेब को मेरा यीशुसहाय
अफसोस करता हूं कि रैयतों का लिस्ट
जो बिना हुकुमनामा जमीन बनाते औ
बनाये हैं सो नहीं भेजा गया है।
सो मैं उसे इस बार भेज दे रहा हूं।
रैयतों का नाम है। सलामी कितना होगा,
मालगुजारी कितना होगा औ शेस कितना
होगा सो सब लिखा हुआ है। कैफियत
खाने में कौन२ रैयत सलामी देने चाहते
और कौन२ नहीं देने चाहते हैं सब
लिखा हुआ है। जो देने चाहते हैं
उनके सीधे "देंगे" लिखा हुआ है
और जो नहीं देने चाहते हैं ~~उस~~
उनके सीधे "नहीं" लिखा हुआ है।
जैसा उचित होगा वैसा कारवाई
शुरु कर देना चाहिये।

यदि यह सलामी वसूल हो जाय तो बहुत काम होने का सम्भव है। सो कृपा करके जैसा चाहिये कार्रवाई शुरु कर देना चाहिये।

आप का आज्ञाकारी

N. Topno.

Secretary

Ilaka Panch.

मौजा कोरांजो

	नाम + टोली	परत दो०	सो०	च०	सलामी दो० १०)	सो० ७)	च० ५)	जमा	माल गुजारी दो० ।।।)	सो० ।।)	च० ।=)	सलामी देंगे कि न देंगे की इच्छा प्रकार जमा	कैफियत सेरा
1	जोहन पहाड़ टोली	१ऽ			१०)			१०)	।।।)			।।।)	+)।। नहीं
2	युसफ बरला पहाड़ टोली	२।।ऽ			२५)	-	-	२५)	१।।।=)	-	-	१।।।=)	-) नहीं
3	मरकुस लुगुन नीम टोली	२ऽ	-	-	२०)	-	-	२०)	१।।)	-	-	१।।)	+)।।। नहीं
4	इसहाक लुगुन नीम टोली	२ऽ	१ऽ	-	२०)	५।।)		२५।।)	१।।)	।।=)	-	२=)	+ -)। नहीं
5	पतरस ~~जोहन~~ लुगुन नीम टोली	१ऽ			१०)			१०)	।।।)			।।।)	+)।। नहीं
6	लालवीस लुगुन नीम टोली		।।ऽ५			४।=)		४।=)		।)		।)	+)।
7	परिवा जोहन नीम टोली	५ऽ	।ऽ		५०)	१।।)		५१।।)	३।।)	=)		३।।=)	+ =) नहीं
8	फिलिप बाखला कोरांजो टाना			१ऽ			६।)	६।)			।=)।।	।=)	+)। देंगे
9	डुमी खड़िया लकड़ा टोली	१ऽ	-	-	१०)	-	-	१०)	।।।)	-	-	।।।)	+)।। नहीं
10	बिसु खड़िया बिजाडीह			१ऽ५	-	-	५।=)	५।=)			।=)।।।	।=)।।।	+)। नहीं
11	हारू नाथ चीक बिजाडीह			।ऽ३	-	-	।।।-)	।।।-)			=)	=)	+)। नहीं
12	डुला गुचीक बिजाडीह			।ऽ२			२=)	२=)			≡)	≡)	+)। नहीं
13	मनकी खड़िया मंगरा टोली	[illegible]	३ऽ	-	[illegible]	२१)	-	२१)	-	१।।)	-	१।।)	+)।।। नहीं
14	बिरसा खड़िया मंगरा टोली		।।ऽ	-		५।)		५।)		।=)	-	।=)	+)। नहीं
15	बोलास लकड़ा टाना	२।।ऽ	२ऽ		२५)	१५।।)		४०।।)	१।।।=)	१=)		३)	+ -)।। नहीं
16	जकलु खड़िया	२।।ऽ	५।ऽ५	-	२०)	३६।।)	-	१२६।।=)	६।-)	२।।=)	-	८-)	+ ।)।। नहीं
17	मसीह बाखला पहाड़ टोली	-	१ऽ	-	-	७)	-	७)	-	।।)	-	।।)	+)। नहीं
18	कालो खड़िया मंगरा टोली	-	१ऽ		-	७)	-	७)		।।)		।।)	+)। देंगे
19	मरकुस बिलुंग		।।ऽ			३।।)		३।।)		।=)		।=)	+)। देंगे
20	मनसुख टोप्पो सलेमा पुंडु	६ऽ	-	-	६०)	-	-	६०)	४।।)	-	-	४।।)	+ =)। देंगे
21													

हास्टल की जमीनदारी
सेक्रेटरी

Sulaman Minz

The Office of the Secretary, G.E.L. Church, Chota Nagpur & Assam

Ranchi.

---------oOo---------

Church Council meeting,

4. October, 1929.

6. KORONJO KI JAMIN - Koronjo Ilake ki chitthi parhi gai tatha unka sankalp bhi parha gaya aur John sahab ne ek list pesh ki jin men aison ke nam hain jinhon ne bina hukum Koronjo men don banaye hain aur jinse kaisa salami, malgujari lena chahiye aur we sallami dena nahin chahte hain ityadi-

SANKALP : Ki jo log jamin Koronjo men bina hukum taiyar kiye hain aur sallami bhi nahin dene chahte hain uska list Trustiyon ko bheja jay jisten aday karne ke liye un par snighar uchit karrwai ki jay.

Sd. P. Hurad.

Secretary.

Memo No. 978/29.
F.-8

Dated Ranchi, the 19th October, 1929.

Copy of the Church Council's Resolution forwarded to the Secretary, Board of Trustees, with the request that early action may be taken against the defaulters as mentioned in the list enclosed.

P. Hurad

Secretary,

G.E.L. Church, Ranchi.

No. 68.

Church Council
Received 2. 8. 29.
Register No. 881.
Date 26. 7. 29.
File 29 / 6.
Reply No.............
Date...............

From

The Secretary
Ilaka Panch, Kororjo.

To

The Secretary,
Church Council,
Chota Nagpur & Assam.

Dated the 26th July 1929.

Dear Sir,

Sending herewith a copy of the minutes of the Ilaka Panch for information. A copy of the item No. 6 (a+b) is given to Rev. A. John also for necessary action. You will kindly put up the 9th item before the council for consideration.

Yours faithfully
N. Topno.
Secretary
Kororjo Ilaka Panch.

12th June 1929.

Members present were – Rev. O. Tiru Chairman, Rev. N. Bage, Rev. M. Lugun, Babus P. Baba, M. Kandulna, Shimon Samad, Patras Dang, Mansidh Dang and N. Topno Secretary.

Visitors – Babus M. Sanga, S. Minz, P. Bage and Anandmasih Bage.

1. बैठकी प्रार्थना साथ आरम्भ हुई।

2. बीते बैठकी का मन्तव्य पढ़ा गया और दृढ़ाया गया

3. गिनिकेरा और बंशजोर – गिनिकेरा और बंशजोर मराडलियों को स्था और उत्तम चरवाही के लिये पंच ने उचित समझा कि निम्न लिखित प्रचारकों की बदली हो –

प्रचारक पौलुस तोपनो गिनिकेरा की बदली बंशजोर हो और प्रचारक मनसुख समद बंशजोर की बदली गिनिकेरा हो। हाल में डेरा बदलने की जरूरत नहीं, वे जहां अभी हैं वहां ही से अपना कर्तव्य कामों को करें।

4. बिमियापानी – शोक का खबर है कि बिमियापानी का मास्टर प्रचारक बाबू सुलेमान तोपनो अप्रेल महीने में प्रभु में सो गया। उसकी जगह बाबू सरकस तोपनो से भरी गई है। यह मिडिल पास नहीं है इस लिये इलाका पंच की इच्छा है कि मराडली के भाई बराबर के लिये एक दूसरा ही मिडिल पास या ट्रेनिंग पास मास्टर प्रचारक खोजें।

5. Centralization – महासभा की कार्रवाही अनुसार सेन्ट्रालैजेशन की बात छिड़ी। बहुत बात बिचार के पीछे यही फैसला किया गया कि दूसरे महीने से फराड सेन्ट्रालैइज किया जावे और नियमानुसार पादियों के तलब की घटि की पूर्ति के लिये चर्च कौंसिल के खजान्ची के पास माहवरी बिल भेजा जावे।

दूसरे महिने से सब पादरी और प्रचारक महिना महिना स्टेशन में जमा होवें और राज्यवृद्धि गिर्जा में भी हाजिर होवें। राज्यवृद्धि गिर्जे का हिस्सा कौंसिल में राज्यवृद्धि निमित्त भेजा जावे। जमा होने की तारिख है हर महिने का दूसरा बुद्धवार।

धी. जमीन्दारी — (a) होस्टेल और जमीन्दारी पंच ने मंजूरी निमित्त रैयतों का एक लिस्ट पेश किया था जो परती नाला और टांड को जोत कोड़ कर रहे हैं। लिस्ट में हरएक रैयत कितना जमीन बना लिया है और बना रहा है सो जांच कर लिखा हुआ था और उनसे कितना सलामी, मालगुजारी और शेष लेना चाहिये सब दर्ज किया हुआ था। इत्यादि पंच ने सब को मंजूर किया केवल सलामी खाना को सुधारने को ~~[illegible]~~ आज्ञा दिई ~~[illegible]~~ और सलामी का दर ठहरा दिया कि दूसरा दोन खेत का का ९१०) रु: तेसरा का (७) रु: और चौथे का ५) रु: होवे। और इन्हे जो परती बन्दोबस्त करने चाहे तो उससे इससे ~~[illegible]~~ दूना लिया जावे।

(b) परती नाला — होता के निकट सरकारी बान्ध के नीचे नाला नदी तक बिलकुल परती है। पहले मिशन का इरादा था कि यह परती नाला ~~रैयती लगाया जाय~~ मिशन तरफ से बान्धा जावे। होस्टेल और जमीन्दारी पंच ने इसके बारे एक दरखास्त पेश किई कि यह परती नाला रैयती लगाया जाय। बहुत बात विचार के पीछे यह:— संकल्प किया गया— कि दरखास्त जोन साहेब के यहां भेजा जावे और अर्ज किया जावे कि वे तुरन्त बान्ध बांधने के लिये रुपया का बन्दोबस्त करें कि आने वाले अक्टोबर महिने से बान्ध बान्धना शुरु कर दिया जावे। यदि यह न हो सके तो कृपा कर दरखास्त को मंजूर कर लेवे जिस्तें

कि वे रैयत जो वहां बैठाये जायेंगे नाप के पहले आवश्यक भर जमीन अपनाने सकें।

7. इलाका पंच खर्चा — कितने मेम्बरों की ओर से पंच खर्चा की बात निकली। बात विचार के पीछे यह संकल्प किया गया — कि जब इलाका पंच कर्मचारियों की माहवरी बैठकी के समय ही बैठे तो खर्चा केवल साधारण भाइयों को दिया जावे और कर्मचारियों को नहीं। पर यदि माहवरी बैठकी के बाहर किसी दूसरी तारीख में बैठे तो कर्मचारियों को भी दिया जावे पर तिस पर भी ज्ञाता के कर्मचारियों को नहीं। खर्चा का दर निम्नलिखित अनुसार दिया जावे।

लोम्बोई पेरिश रोज ४ आना के दर से २ रोज का
कदूपानी " " ४ " " " " २ " "
कोरोंजी " " ४ " " " " २ " "
" " " २ " "

8. Autonomy day :— धरबन्धु के मिलने से ~~प्रोग~~ प्रोग्राम ठीक किया जायगा।

9. महासभा — महासभा के मेम्बरों का खर्चा इलाका पंच को सौंपे जाने के कारण देखा गया कि दूर के इलाके अनेक असुविधा में पड़ते हैं — आने जाने का खर्चा अधिक होने के कारण इलाके अधिक खर्चा में पड़ जाते हैं। फिर खर्च अधिक होने पर भी यथोचित नम्बर में प्रतिनिधियों को भेज नहीं सकते हैं। निकट के इलाकाओं की बात ठीक उल्टी है। उनको खर्चा कम होता है और प्रतिनिधि भी अधिक भेज सकते हैं। इसलिये कि सब इलाकाओं के ऊपर महासभा का खर्च बराबर पड़े और सब इलाके नम्बर अनुसार यथोचित नम्बर में अपने प्रतिनिधियों को भेज सकें यह अर्ज चर्च कौंसिल के सामने पेश किया जावे

कि ex-officio मेम्बरों का खर्च चर्च कौंसिल अपने तरफ से देवे, और प्रत्येक चुने हुए प्रतिनिधि के लिये फीस स्वरूप एक रकम ठहराया जावे जिसे इलाका पंच से चर्च कौंसिल को दिया जावे और उसी जमा फीस से चुने हुए प्रतिनिधियों का खर्चा भरा जावे।

N. Topno.
Secretary.
Koronjo Ilaka.

No. 354/28
F. 8

To. Rev. Obed Tiru

Ranchi 28.10.28

माननीय महाशय,

आप के कलीसों से दो दो चिट्ठियां आई हैं। यह आप के पास भेजा जाता है कृपया कर उनके विषय करवाई कर के कौंसिल में इत्तला रिपोर्ट दीजिये।

शुभम्,

१, निअरयाननको।
२, कुरजिनियां को चिट्ठिया

Sd. P. Hurad.

G. E. L. CHURCH
SECRETARY
RANCHI.

Nos. 323 & 280/28
Fs. 8.

No.

Church Council
Received 11.7.28
Register No. 132
Date 6.7.28
File 8
Reply No.
Date

From

The Secretary
Ilaka Panch, Koronjo.

To

The Secretary,
Church Council, Ch. N. + Assam.

Dated the 6th July 1928.

Dear Sir,

In obedience to your Memo. No. 124/28 dated 22nd June 1928 I beg to send herewith an extract from the minutes of the Ilaka Panch of the 15th June 1927. In it the rates of the "सलामी" and the "मालगुजारी" are quite clear. Our prayer is that you will kindly fix the "सलामी" and the "मालगुजारी to each raiyat accordingly, and take proper action to levy the amount.

Yrs. faithfully

N. Topno.

Secretary, Ilaka Panch
Koronjo.

An extract from the minutes of the Ilaka Panch of the 15th June 1927.

"

6. जमीन्दारी — सेक्रेटरी ने कहा कि गांव में अनेक बहुत पर्ती जगह हैं। वे न रैयतों को दिये जाते हैं न मिशन हो से तयार किए जाते हैं। कुछ वाद विवाद के पीछे यह — संकल्प किया गया — कि मिशन बान्ध के नीचे जितने पर्ती हैं मिशन से जैसे बने तयार किये जावें। और इधर उधर के पर्ती पर रैयत बैठाये जावें। करीब एक का० के पैरेन पर 20) रु: सलामी लिया जावें। जो जमीन तयार हो गये हैं उनसे आधा बटाई लिये जावें जब तक उनसे सलामी न मिले और उनके लिये हुकुमनामा न दिये जावें। मालगुजारी गांव के रीत के अनुसार करीब एक का० के परैन पर 1) रु: बैठायर जावे। औवल जमीन का सलामी 20) रु: से अधिक भी होना चाहिये। "

INDIA

POST

WRITING SPACE

Markash Sanga
Lutheran M. E School
Koronjo
P.O. Koronjo
Dist Ranchi

INDIA POSTAGE

HALF ½A ANNA

ADDRESS ONLY

RANCHI

31 APR 28

Rev.
Juel Lakra
Lutheran Compound
Ranchi.

BH 23/1/28.

To
The Secretary Lutheran Church
Ranchi

Dated Koronjo the 3rd April 28

Dear Sir,

I beg to remind you that my Theology Certificate is kept back in the church council in the said council meeting in the month July 1923.

I humbly and respectfully request ~~you~~ to send me my Theology Certificate at the following address. For this kind act I shall remain ever thankful to you.

Your faithful servant

M Sanga

forwarded to Secretary of CC.
to answer the questions raised
M. Pre
20-7-28

Church Council
Received 21.7.28
Register No. 156
Date 6.7.28
File
Reply No.
Date

कोरोंजो,
६.७.२८.

मान्यवर महाशय

आप २८वीं अप्रैल १९२८ को

चिट्ठी में Easter Sunday और N.M.S चंदा का हिसाब मांगे। अफसोस के साथ मुझे कहना पड़ता है कि मैंने उनमेंसे किसी एक का हिसाब नहीं भेजा है कारण कि हरएक पेरिश का हिसाब अब तक नहीं मिला है।

दूसरी बात — यह भी मुझे समझ में नहीं आई कि किस एतवार का सिरनी को N.M.S. के लिये जाना चाहिये। कृपा करके इसका खबर दीजिये।

तीसरी बात — Bible Society का चन्दा जो त्रिनितातिस पर्ब को जमा हुआ सो भेजेंगे या हिसाब अकेला देंगे।

आप का बिश्वस्त
N. Topno.
Secretary, Ilaka Panch, Koronjo.

Resolution of the Church Council
Ranchi

कोरेंजो नयाबादी जमीन — कोरेंजो के प्रचारक ने जो वहां स्थानीय इलाके की ओर से जायदाद की देख भाल के लिये है [illegible] इलाका चेयरमैन के द्वारा भेजा। इसमें उसने कितने जनों का नाम और कितनी जमीन उन्होंने तैयार किई है इत्यादि समाचार दिया है और सिफारिश है कि कौंसिल हरएक के ऊपर मालगुजारी बांधे और सलामी लेवे।

संकल्प: (क) कि कोरेंजो में जिन लोगों ने जमीन तैयार किया है उन से गांव सरहा रेट पर मालगुजारी बांधा जावे और वैसा ही सलामी भी लिया जावे।

(ख) कि सरहा रेट के मोताबिक हरेक रैयत पर कितना मालगुजारी और सलामी बैठेगा इसका दरयाफ्त इलाके से करके दुखियों को जनाया जाए जिस्से वे कृपाया इस पर अपनी कारवाई कर सकें।

Memo No. 124/28

Copy of the Resolution forwarded to Rev. Obed Tiru Koronjo

Naka for information and necessary action.

Ranchi
The 22nd June 1928

[illegible signature]
Secretary to the Church

G. E. L. CHURCH
SECRETARY
RANCHI.